दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3 करवा चौथ: अखंड सौभाग्य के लिए सुहागिनों ने 14 घंटे रखा निराजल व्रत

5 सपा में टिकट की दौड़ में सक्रिय हुए आजमवादी

8 देविशा ने पति सूर्यकुमार यादव के लिए रखा व्रत रैना की पत्नी प्रियंका ने की अखंड सुहाग की कामना

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 16 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 13 अक्टूबर,2025

पीएम मोदी ने किसानों को दी हजारों करोड़ की सौगात

बोले– पिछली सरकारों ने किसानों को उनके हाल पर छोड़ा

पीएम मोदी ने मतस्य पालन योजना के लिए भी करीब 693 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। फूड प्रोसेसिंग उद्योग को बढ़ावा देने के लिए करीब 800 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को देश के किसानों को बड़ी सौगात दी। प्रधानमंत्री ने कृषि क्षेत्र के लिए करीब 35,440 करोड़ रुपये की दो अहम योजनाओं की शुरुआत की। इसमें करीब 24 हजार करोड़ रुपये की 'धन धान्य कृषि योजना' की भी शुरुआत की गई। पीएम मोदी ने नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में विशेष कृषि योजना में शिरकत की। कार्यक्रम में पीएम मोदी ने लोकनायक जयप्रकाश की जयंती के अवसर पर जेपी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री की कृषि क्षेत्र को हजारों करोड़ की सौगात

प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना के तहत सरकार देश के 100 जिलों में कृषि उत्पादन को बढ़ाने, किसानों को कर्ज देने, सिंचाई और फसलों में विविधता और फसल प्रबंधन को बेहतर करने का लक्ष्य तय किया गया है। साथ ही पीएम मोदी ने दालों में मामले में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए छह वर्षीय मिशन योजना की भी शुरुआत की। यह योजना 11,440 करोड़ रुपये की है। करीब 3,650 करोड़ रुपये की लागत से कृषि आधारभूत ढांचा फंड योजना की शुरुआत की गई है। पशुपालन के लिए 17 विभिन्न प्रोजेक्ट्स के लिए करीब 1166 करोड़ रुपये भी जारी किए गए हैं।

मतस्य पालन योजना और फूड प्रोसेसिंग उद्योग पर भी फोकस

पीएम मोदी ने मतस्य पालन योजना के लिए भी करीब 693 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। फूड प्रोसेसिंग उद्योग को बढ़ावा देने के लिए करीब 800 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। सरकार किसानों के बीच प्राकृतिक खेती को लोकप्रिय करने के लिए भी योजना चला रही है। विशेष कृषि कार्यक्रम में हिस्सा लेने से पहले पीएम मोदी ने विभिन्न किसानों से मुलाकात की और उनसे कृषि क्षेत्र की चुनौतियों और इस क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलावों पर चर्चा की।

पिछली सरकारों ने किसानों को उनके हाल पर छोड़ दिया'

कृषि योजनाओं के लॉन्च के बाद अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा, 'आज 11 अक्टूबर का दिन बहुत ऐतिहासिक है। आज भारत माता के दो महान रत्नों की जयंती है जिन्होंने इतिहास रचा। भारत रत्न जयप्रकाश नारायण और भारत रत्न नानाजी देशमुख, ये दोनों महान सपूत ग्रामीण भारत की आवाज थे, लोकतांत्रिक क्रांति के अग्रदूत थे। वे किसानों और गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित थे। आज इस ऐतिहासिक दिन पर देश की आत्मनिर्भरता और किसानों के कल्याण के लिए दो महत्वपूर्ण नई योजनाओं का शुभारंभ किया जा रहा है।'

सीएम योगी ने सांसद से ली चुटकी

बोले–स्वदेशी की बात करने वाले रविकिशन पहनते हैं विदेशी घड़ी, स्वदेशी ही अपनाना होगा

गोरखपुर,संवाददाता। पाम पैराडाइज में ईडब्ल्यूएस और एलआईजी फ्लैट के आवंटन कार्यक्रम के दौरान सांसद रविकिशन शुक्ल ने समां बांध दिया। उन्होंने कई भोजपुरी गीत सुनाकर महफिल लूट ली। पीएम मोदी और सीएम योगी के लिए ''बड़ा नीक लागे ला मोदी–योगी जी के जोड़िया'' सुनाया।

स्वदेशी मेले के शुभारंभ के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने सांसद रविकिशन की चुटकी ली। उन्होंने कहा कि सांसद बात तो स्वदेशी की करते हैं लेकिन घड़ी विदेशी पहनते हैं। सिर्फ स्वदेशी बोलने से नहीं होगा, इसे अपनाना भी पड़ेगा। कार्यक्रम में एक युवा उद्यमी ने अपने अनुभव साझा किए तो सीएम ने फिर सांसद की चुटकी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा उद्यमी के डायलॉग रविकिशन से मजबूत थे।

इससे पता चलता है कि वह जमीन पर कार्य कर रहा है। केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री ने भी रविकिशन की चुटकी ली। कहा कि आजकल इनका समय अच्छा चल रहा है। इनकी दुकान नाच रही है। इन्होंने चाय–पानी की व्यवस्था बहुत अच्छी की है लेकिन हम जैसे जनप्रतिनिधि को बुलाकर चाय नहीं पिलाते।

खिलखिलाकर हंसते सीएम योगी बगल में बैठे सांसद रवि किशन –

जईसन सोचले रहलीं ओईसन योगीजी मोर बाड़ें, मुख्यमंत्री बेजोड़ बाड़ें : रविकिशन

पाम पैराडाइज में ईडब्ल्यूएस और एलआईजी फ्लैट के आवंटन कार्यक्रम के दौरान सांसद रविकिशन शुक्ल ने समां बांध दिया। उन्होंने कई भोजपुरी गीत सुनाकर महफिल लूट ली। पीएम मोदी और सीएम योगी के लिए 'बड़ा नीक लागे ला मोदी–योगी जी के जोड़िया' सुनाया। इसके बाद सीएम के लिए 'जईसन सोचले रहलीं ओईसन योगीजी मोर बाड़े, मुख्यमंत्री बेजोड़ बाड़ें' सुनाया। सांसद ने कहा कि इतने कम दाम में घर का सपना पूरा होना बहुत बड़ी बात है। मजाकिया अंदाज में कहा कि कम दाम में फ्लैट के साथ ही उन्हें गाना सुनने को मिल रहा है। रविकिशन के इस अंदाज पर सीएम योगी भी मुस्कुराते नजर आए।

कटिया ले ली जान!: खेत में घास काटने गया था किसान

बस्ती,संवाददाता। गौर थाना क्षेत्र के मेहदिया राम दत्त गांव निवासी राम गोविंद पाल 70 पुत्र धनराज रोज की तरह शनिवार की सुबह बढ़या गांव के सिवान में बभनान–हलुवा मार्ग के पटरी किनारे जानवरों के लिए हरा चारा लाने गए थे। अभी वह सड़क की पटरी से खेत में उतर रहे थे कि झाड़ियां में एलटी लाइन के संपर्क में आ गए। जानवरों के लिए हरा चारा लाने दूसरे गांव के सिवान में गये किसान की विद्युत की चपेट में आने से मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि उनकी मौत विद्युत से हुई है। बताया कि वह एलटी के आर्थिक तार के चपेट मे आ गये जिससे उनकी मौके पर मौत हो गई थी। बाद में सूचना मिलने पर निगम के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और तार को हटा दिए। परिजनों ने डायल 112 सहित गौर पुलिस को सूचना देकर न्याय की गुहार लगाई है।

डायल 112 के सिपाही को जड़े थप्पड़, वर्दी फटी

गोरखपुर,संवाददाता। पूछताछ में काजल की मां सरोजा देवी ने बताया कि नितेश की शादी नगर पंचायत बड़हलगंज के बाछेपार मुहल्ला निवासी महेश कुमार की बेटी निकिता के साथ 2022 में हुई थी। कुछ दिन साथ रहने के बाद पति–पत्नी में विवाद होने लगा जिससे नाराज होकर निकिता अपने मायके चली गई। झुमिला बाजार (गोरखपुर)। बड़हलगंज थाना क्षेत्र के कतलही गांव में शुक्रवार की दोपहर पारिवारिक विवाद हिंसक झगड़े में बदल गया। भाभी ने अपनी छोटी बहन के साथ मिलकर ननद को दांत से काटकर घायल कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस टीम पर भी महिलाओं ने हमला कर दिया, जिससे एक सिपाही की वर्दी फट गई। मामले में पुलिस ने तीन महिलाओं पर केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

घटना शुक्रवार दोपहर करीब साढ़े 11 बजे की है। जानकारी के अनुसार, कतलही निवासी वीरेंद्र यादव के परिवार में बहू निकिता यादव पत्नी नितेश यादव का अपनी ननद काजल यादव से किसी बात पर विवाद हो गया। मौके पर निकित की मां अनीता देवी और बहन काजल भी थीं। विवाद बढ़ने पर निकिता और उसकी बहन ने मिलकर काजल पर हमला कर दिया और दांत से काटकर उसे लहूलुहान कर दिया।

घटना की सूचना मिलने पर वीरेंद्र यादव की मां सरोज देवी ने डायल 112 पुलिस को फोन किया। मौके पर पहुंची पुलिस को देखकर निकिता और उसकी बहन उग्र हो गईं। दोनों ने मिलकर एक सिपाही को कई थप्पड़ मारे और उसकी वर्दी फाड़ दी। स्थिति बिगड़ते देख पुलिस ने थाना प्रभारी बड़हलगंज चंद्रभान सिंह को सूचना दी। मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल और महिला सिपाहियों की टीम भेजी गई। पुलिस ने निकिता, उसकी छोटी बहन और मां सरोज देवी को हिरासत में लेकर थाने ले गई। थाना प्रभारी चंद्रभान सिंह ने बताया कि मामले में तीनों महिलाओं पर केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है।

वर्ष 2022 में हुई थी शादी

पूछताछ में काजल की मां सरोजा देवी ने बताया कि नितेश की शादी नगर पंचायत बड़हलगंज के बाछेपार मुहल्ला निवासी महेश कुमार की बेटी निकिता के साथ 2022 में हुई थी। कुछ दिन साथ रहने के बाद पति–पत्नी में विवाद होने लगा जिससे नाराज होकर निकिता अपने मायके चली गई।

कानपुर और अयोध्या में धमाके के बाद अलर्ट गोरखपुर में कड़ी सुरक्षा

गोरखपुर,संवाददाता। एसएसपी के निर्देश पर पुलिस टीमों ने होटल, लॉज और धर्मशालाओं में ठहरे यात्रियों की जानकारी जुटाना शुरू कर दी है। बस अड्डों और रेलवे स्टेशन पर आने–जाने वाले यात्रियों की तलाशी ली जा रही है। संदिग्ध वाहनों और छोड़े गए सामानों की डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ते द्वारा जांच की जा रही है। कानपुर के मूलगंज इलाके और अयोध्या में हुए धमाके के बाद अब पूरा पूर्वी उत्तर प्रदेश सुरक्षा के घेरे में आ गया है। गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, बस्ती और महाराजगंज जिलों में पुलिस और खुफिया एजेंसियां सतर्क मोड पर हैं। प्रमुख बाजारों, रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कानपुर की घटना के बाद एडीजी जोन जोन मुथा अशोक जैन ने सभी थाना प्रभारियों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। शहर के गोलघर, रेलवे स्टेशन, रेती रोड, आर्यनगर, रामगढ़ताल और बस स्टेशन जैसे संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। रात में गश्त बढ़ा दी गई है और हर थाना क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। एसएसपी के निर्देश पर पुलिस टीमों ने होटल, लॉज और धर्मशालाओं में ठहरे यात्रियों की जानकारी जुटाना शुरू कर दी है। बस अड्डों और रेलवे स्टेशन पर आने–जाने वाले यात्रियों की तलाशी ली जा रही है। संदिग्ध वाहनों और छोड़े गए सामानों की डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ते द्वारा जांच की जा रही है।

खुफिया एजेंसियां सक्रिय, नागरिकों से अपील

पुलिस सूत्रों के अनुसार, कानपुर और अयोध्या की घटना के बाद एटीएस, आईबी और लोकल इंटेलिजेंस यूनिट (एलआईयू) की टीमें भी सक्रिय हो गई हैं। एजेंसियां गोरखपुर और आसपास के जिलों में किसी संदिग्ध गतिविधि पर निगरानी रखे हुए हैं। इसके साथ ही सीएम रूट पर ठेला खमोचा लगाने वाले व फुटपाथ पर सोने वालों की भी जांच की जा रही है कि वह कब से शहर में रह रहा है और क्या करता है।

पूर्वांचल में सख्त निगरानी

एडीजी मुथा अशोक जैन का कहना है कि कानपुर जैसी घटना दोबारा न हो, इसके लिए जोन के सभी कप्तानों को थाना क्षेत्र में गश्त और चौकसी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके साथ ही बम निरोधक दस्ता लगातार पेट्रोलिंग कर रहा है, जबकि बाजारों में सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की निगरानी की जा रही है। प्रशासन ने कहा कि सुरक्षा के सभी उपाय पूरी तरह सक्रिय हैं, जनता से सहयोग की अपेक्षा है। किसी भी तरह की अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय

मंडी के मंच से

मंडी के मंच से जो कहा गया, उसमें प्रदेश भाजपा का दर्द बयां है या पार्टी के भीतर की यही वजह है। यहां तैयारी तो 2027 के चुनाव की हो रही, लेकिन घाव 2022 के रिस रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर का मलाल अंततः भाजपा के गाल पर आ गया। मेहनत के तराने आखिर बीच बाजार में क्यों आ गए। क्या भाजपा कार्यकर्ताओं का उतावलापन शिकार ढूंढ रहा था या मंडी की सहजता में सांसद अनुराग ठाकुर के पक्ष में हुई नारेबाजी की गूंज असहनीय हो गई। जो भी हो, यहां युवा मोर्चा को जो सुनाया जा रहा है, उसके तंज जहरीले हैं। वाकई मंडी का योगदान जयराम ठाकुर के कंधों पर बढ़–चढ़ कर बोल रहा है और जहां दस में से नौ सीटों पर विजयी उद्घोष पार्टी की हकीकत में अपना दखल साबित करता है। मंडी और हमीरपुर में पहले भी उत्तर–दक्षिण हुआ था जब तत्कालीन मंत्री महेंद्र सिंह ने इशारों–इशारों में हमीरपुर की ओर अुंगली उठा दी थी। अब पुनः जयराम ठाकुर के संबोधन में जो अंगुली उठी, उसका अर्थ हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के नेताओं को समझना पड़ेगा। भाजपा का मिशन रिपीट इसी संसदीय क्षेत्र में गठजोड़ नहीं कर पाया, जबकि सच यह भी है कि कांगड़ा संसदीय क्षेत्र इस बार कांग्रेस का गढ़ हो गया। पिछली कई सत्ताओं को चरम पर पहुंचा कर भी कांगड़ा की सियासी जागरूकता न यहां के भाजपाइयों और न ही कांग्रेसी नेताओं को चमकता हुई देख रही है। बड़े नेता तो शांता कुमार भी हैं, लेकिन वह पालमपुर विधानसभा सीट के कांग्रेसी अभेद्य दुर्ग से अपनी पार्टी को जीत नहीं दिला पा रहे हैं। इस बार वह अपनी उम्र की पारी को दांव पर लगाने की भावनात्मक अपील कर चुके हैं। खैर वे दौर गुजर गए जब शांता बनाम धूमल के बीच भाजपा के बंटवारे होते थे, लेकिन अब पार्टी के भीतर आक्रोश के बावजूद कई नेता मदहोश हैं।

यह केवल भाजपा के लिए नहीं, हिमाचल की पूरी राजनीति के संदर्भ में भी सही नहीं होगा कि चुनाव से पहले आस्तीन खोलकर एक–दूसरे के खिलाफ शक्ति दिखाई जाए। आश्चर्य यह कि भाजपा मानकर बैठी है कि दो साल बाद सत्ता की देवी उसी के घर में आएगी। जाहिर है ऐसा सोच या विश्वास मुगालते पैदा करता रहेगा। इसमें दो राय नहीं कि इस बार कांग्रेस की ओर से मिशन रिपीट जैसे उद्घोष नहीं हो रहे, लेकिन राजनीति तो किसी भी मोड़ पर पलटी मार सकती है। झुलसी तो भाजपा भी है जब हर्ष महाजन को राज्यसभा भिजवाने के लिए कांग्रेस के घर में आग लगाई थी। उस अभियान की परिणति में कम से कम कांग्रेस की सरकार तो अपने ही पांव पर खड़ी हो गई थी। बहरहाल, यह बहस तो शुरू हो ही गई कि भाजपा के पलड़े में कितने बड़े नेता, कितने बड़े कद और कितने संभावित मुख्यमंत्री। क्या अब मुख्यमंत्री का पद आवारा हो गया या क्षेत्रवाद के दलदल में एक सहारा हो गया। देखा यह जा रहा है कि कुछ सत्ता के खिलाड़ी कभी किसी क्षेत्र को माइनस करके बुलंद होना चाहते हैं, तो कभी क्षेत्रवाद के सहारे सत्ता का तिलक लगाना चाहते हैं। क्या कोई नेता क्षेत्र विशेष का बड़ा नेता होकर ही सर्वमान्य हो जाएगा। मंडी का नारा सत्ता की मंडी नहीं सजा सकता और न ही हमीरपुर को टारगेट करके कोई सर्वोपरि हो सकता। यहां तो ऐसा प्रतीत होता है कि सत्ता अब सिर्फ मंडी या हमीरपुर संसदीय क्षेत्रों में ही बंटेगी। पिछली बार भाजपा और इस बार कांग्रेस को सबसे अधिक विधायक देने वाले कांगड़ा संसदीय क्षेत्र की तौहीन आखिर रुकेगी कब। क्या विपिन सिंह परमार या पवन काजल जैसे नेता कांगड़ा का रथ नहीं संवार पाएंगे। क्या हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री बांट कर कांग्रेस, कांगड़ा के नेतृत्व को लगातार धिक्कार सकती है। सुधीर शर्मा जैसे नेता क्यों छिटके और क्यों भाजपा में अटके, इसे हिमाचल की संपूर्ण राजनीति में समझना होगा। क्या अब सत्ता का खत हमेशा किसी राजपूत चेहरे को ही सेहरा पहनाएगा या ओबीसी, ट्राइबल, दलित या ब्राह्मण समाज के राजनीतिक आरोहण से कभी कोई अंतर आएगा। हम मान सकते हैं कि भाजपा में चुनाव से काफी पहले भूचाल आने लगे हैं, लेकिन इसकी क्या गारंटी कि अगली बार कांग्रेस हार जाएगी या कोई तीसरी शक्ति जन्म नहीं लेगी। आखिर यह विवाद है या संताप, जो भाजपा को सत्ता के लिए अधीर कर रहा है।

बंगाल में कैसा लोकतंत्र

यह कैसा लोकतंत्र है? नहीं, यह लोकतंत्र नहीं हो सकता। यह कैसी कानून–व्यवस्था है? निर्वाचित सरकार के हाथ–पांव खून में सने हैं! केंद्रीय गृह मंत्रालय क्या कर रहा है? क्या उसने पश्चिम बंगाल की ओर आंखें मूंद रखी हैं? क्या सरकार से रपट तलब करना ही पर्याप्त है? क्या पुलिस कमिश्नर का तबादला कर उसे दंडित नहीं किया जा सकता? प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और उनकी सरकार 2014 से ही देख रही है कि बंगाल की फाइल लहूलुहान हो रही है, पंचायत चुनाव हों अथवा विधानसभा, लोकसभा चुनाव हों या सामान्य दिन हों, बंगाल में एक तबका लगातार हत्याएं कर रहा है। प्रवर्तन निदेशालय और अन्य सरकारी एजेंसियों के अफसरों पर हमले किए जाते रहे हैं। हिंदूवादी समर्थकों की हत्याओं के साथ–साथ उनके घर जलाए जा रहे हैं। पीट–पीट कर घायल किया जा रहा है अथवा मार ही देता है। ऐसी सैकड़ों हत्याएं की जा चुकी हैं। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बार–बार राज्य सरकार और पुलिस को फटकार लगाई है। केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात करने पड़े हैं। अदालत ने सरकार के खिलाफ फैसले भी सुनाए हैं, लेकिन प्रधानमंत्री और गृहमंत्री सिर्फ बयानबाज बनकर रह गए हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी सरकार के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, क्योंकि उससे ममता और उनकी पार्टी–तृणमूल कांग्रेस–को राजनीतिक लाभ हो सकता था। तो क्या फिर गरीब, कमजोर, पिछड़े, दुर्भाग्य से हिंदू समर्थक मरते रहें? अब तो हिंदू–विरोधियों ने सांसद और विधायक तक को नहीं छोड़ा है। करीब 14–15 लाख लोगों का संसदीय प्रतिनिधि, भाजपा सांसद खगेन मुर्मू बाल–बाल बच गए हैं। वह अस्पताल के बिस्तर पर पड़े हैं। बीमार नहीं हैं। मधुमेह सामान्य विकृति हो गई है। गुंडे–मवालियों ने पत्थरों से सांसद और विधायक पर जानलेवा हमला किया था। उत्तरी बंगाल में भीषण बाढ़ और भयानक भू–स्खलन ने विनाशकारी माहौल बना दिया था। 30–35 मौतें भी हुई हैं। घर 'मिट्टी–मलबा' हो गए, रास्ते टूट गए। यदि एक जन–प्रतिनिधि उस माहौल का जायजा लेने और राहत–सामग्री बांटने उस विनाश–भूमि तक जाना चाहता था, तो उस पर जानलेवा हमला कर लहूलुहान कर दिया जाएगा? बेशक लोग सांसद से नाराज हों, तो उन पर इतना घातक हमला कर दिया जाएगा कि उनके चेहरे की हड्डी ही टूट जाए? सांसद खून से लथपथ हो जाएं? गनीमत है कि उनके साथ कुछ सुरक्षाकर्मी थे, जिन्होंने उनकी जान बचाई और तुरंत अस्पताल तक ले गए। भाजपा विधायक शंकर घोष पर भी हमला कर उन्हें घायल क्यों किया गया? अफसोस है कि मंगलवार शाम तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई, क्योंकि पुलिस को 'ऊपर' से ऐसे ही आदेश थे। पुलिस मूकदर्शक और निष्क्रिय बनी रही। जब भाजपा और राज्यपाल आनंद बोस का दबाव बढ़ा, तो 8 आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। गौरतलब यह होगा कि पुलिस कितनी ठोस कार्रवाई करती है! शायद राज्य भाजपा उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल करेगी! लेकिन बंगाल में जो रक्तरंजित फाइल सामने आई है, उससे लगता है कि बंगाल में संभ्रांत नहीं, गुंडे–हत्यारों का राज है। वे तृणमूल के नेता, कार्यकर्ता हो सकते हैं अथवा घुसपैठिए बांग्लादेशी या रोहिंग्या हो सकते हैं! भाजपा सांसदों और आम सक्रिय कार्यकर्ताओं ने एनआईए जांच की मांग की है। राष्ट्रपति शासन की भी मांगें उभरी हैं।

बंगाल में अप्रैल–मई, 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। संभव है कि सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा के हिंदूवादी ध्रुवीकरण के मुकाबले में ऐसे हमलों पर उतर आई हो! बेशक भाजपा ने बंगाल में हिंदू समर्थकों की ताकत के बूते एक अच्छा–खासा जनाधार तैयार कर लिया है। उसके 12 लोकसभा सांसद चुने गए हैं। जो पार्टी मात्र 3 विधायकों के साथ एक क्षीण–सी शक्ति होती थी, आज उसके विधायक दल का नेता प्रतिपक्ष का नेता है। यानी सत्ता की चौखट पर दमदार दस्तकें दी जा रही हैं। लेकिन बंगाल में ममता के 14 साला कार्यकाल के दौरान ऐसा हिंसक माहौल बन गया है।

पहाड़ की कब्र में बस यात्री

हिमाचल में सडक़ परिवहन का सबसे दर्दनाक हादसा बरठी के पास सोलह लोगों को लील गया। यहां बस को गिरते पहाड़ ने बेबस किया और मलबे के समुद्र में डूब गया जिंदगी का सफर। न उनकी चीखें सुनी गईं और न ही जीने का प्रयास बचा। यह ऐसी निजी बस भी नहीं थी, जिसके चालक ने कोई गलती की। बस का नियंत्रण अचूक रहा, लेकिन पहाड़ ने उसे कब्रगाह बना दिया। एक ऐसी अनहोनी जो मौत के लिए प्रकृति का विनाश चुन गई। सांसों की रफ्तार के खिलाफ एक पूरा पहाड़ और दरकते लम्हे ने मौत की सजा सुना दी। शाहतलाई से घुमारवीं का यह सफर कातिल निकला या विकास की कहानियों में इनसान अति दुबला हो गया। कई रिश्ते एक साथ दफन हो गए, कई मंजिलें वहां आकर टूट गईं और मुकद्दर के कई दरवाजे बंद हो गए। मलबे के दैत्य ने पूरी बस पर कफन चढ़ा कर बता दिया कि सपने टूटने के लिए बस एक खूंखार पल चाहिए। अब बची हैं तो मौत की कहानियां और गहरे घाव लिए कई परिवारों के चूल्हे। इस हादसे का भयावह दृश्य सारे प्रदेश की सडक़ों का मुआयना कर रहा है और आपदाओं की कोख में भविष्य के संकट देख रहा है। ऐसी बहुत सारी सडक़ें हैं जहां बरसात के जूझते मंजर में एक खौफ सी यात्रा रहती है। यह सडक़ के फॉल्ट हैं, प्रकृति की विनाश लीला या तकनीकी तौर पर पहाड़ को कतर कर हमने चुनौती बढ़ा दी। जाहिर है परिवहन की परिस्थितियां सडक़ निर्माण से जुड़ी रहती हैं और जहां भौगोलिक दुरुहता से मुकाबिल विकास अपने सपनों के लिए, साहस के साथ आगे बढ़ता है। ऐसे में अब यह तो सोचना होगा कि ऐसे खतरनाक स्थलों को चिन्हित किया जाए जहां से सडक़ निकालना, मौत से खेलना है। कुछ वर्ष पहले मंडी–पठानकोट रोड पर इसी तरह सडक़ पर बारिश, मलबा और जानलेवा बहाव ने सिर्फ मातम का सन्नाटा छोड़ा था। पत्थर गिरते हैं, बार–बार गिरते हैं और कहीं किसी वाहन से टकरा कर किसी जिंदगी को चकनाचूर कर देते हैं, लेकिन बरठी का पहाड़ यमराज निकला। सूचना और संकेत थे कि पहाड़ दरक रहा है, लेकिन संज्ञान न लेकर विभाग ने यह अपराध कर दिया। ऐसे कई पहाड़ों पर अगर यमराज बैठा है, तो जिंदगी के कुछ अलग से फासले सडक़ों के नए सर्वेक्षण से चुन लेने चाहिएं। बेशक कुल्लू दशहरा समारोह का आतिथ्य छोडक़र परिवहन मंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने राहत कार्यों की एक पूरी रात आंखों में गुजार दी, लेकिन यहां मसला सडक़ का था तो पीडब्ल्यूडी मंत्री को भी आकर देखना होगा कि उनके विभाग की आंख कहां–कहां दुख रही है। पूरे हिमाचल की सडक़ व्यवस्था को सुरक्षित संरचना की दृष्टि से देखना होगा।

मायावती ने गंवाया मौका

उत्तरप्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा की मुखिया बहन मायावती ने गुरुवार को खुद अपनी साख पर बड़ा बट्टा लगा लिया। मायावती कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तो लगातार निशाना लगाती ही हैं, लेकिन इस बार उन्होंने सपा और कांग्रेस की आलोचना के साथ भाजपा शासन की तारीफ की और योगी सरकार का आभार भी जता दिया। गौरतलब है कि मायावती के बारे में अक्सर ये कहा जाता है कि वे भाजपा की बी टीम के तौर पर काम करती हैं। अर्थात सीधे–सीधे न सही लेकिन चुनावों में वे इस तरह पांसे बिछाती हैं, जिससे भाजपा को फायदा हो, और सपा, कांग्रेस या अन्य भाजपा विरोधी दलों को नुकसान हो।

जबकि जिस दलित पृष्ठभूमि से मायावती आती हैं और दलित राजनीति के बूते ही वे सत्ता तक भी पहुंची, उस दलित समुदाय की घोर उपेक्षा भाजपा के शासनकाल में हो रही है, इसके गवाह दलित उत्पीड़न के आंकड़े भी दे रहे हैं। जब भी दलित को प्रताड़ित करने की कोई बड़ी घटना होती है, तो बहनजी से स्वाभाविक तौर पर उम्मीद की जाती है कि वे कोई बयान देंगी। लेकिन मोदी शासनकाल में मायावती ने मानो सरकार के खिलाफ बोलना छोड़ ही दिया है। उनके इस रवैये के कारण बसपा की प्रासंगिकता भी कम होती गई, चुनावी नतीजे इसका प्रमाण हैं। लेकिन अब भाजपा की तारीफ कर बहनजी ने जो थोड़ी बहुत उम्मीद दलितों को उनसे थी, वो भी खत्म कर दी है। राजनीतिक पुस्तकें । क्या पाठक जानते हैं कि पिछले 13 सालों से मायावती सत्ता से बाहर हैं, लेकिन उत्तरप्रदेश में दलितों का यकीन उन पर अब भी बना हुआ है, ऐसा तब लगा जब गुरुवार को लखनऊ में हुई महारैली में बड़ी भीड़ जुटी। कांशीराम जी की पुण्यतिथि पर मायावती ने ये महारैली की थी, जिसका असली मकसद 2027 के चुनावों की तैयारी थी और इसके अलावा अपने भतीजे आकाश आनंद को फिर से सार्वजनिक तौर पर उत्तराधिकारी बताना था। हालांकि बड़ी संख्या में दलित जुटे, तो इसकी वजह यही थी कि वे फिर से उस आत्मसम्मान को वापस पाने की उम्मीद कर रहे हैं, जिसे भाजपा सरकार में लगातार कुचला जा रहा है। चुनावों के वक्त भाजपा के नेता, मंत्री दलितों के घर खाना खाते हुए तस्वीरें तो बहुत खिंचाते हैं, लेकिन जिन चमकते बर्तनों में वे भोजन करते हैं और जितने तरह के व्यंजन परोसे हुए होते हैं, उसे देखकर समझ आता है कि ये सारा तामझाम कुछ घंटों के वीडियो और तस्वीरें बनाने का है। जिसमें सब कुछ नाटकीय है, असलियत नहीं है। अगर दलितों को सवर्ण तबका अपने बराबर की सामाजिक स्वीकार्यता देता तो फिर इस तरह किसी को किसी के घर भोजन करने न जाना पड़ता। भाजपा सरकार में दलितों का अपमान, बाबा अंबेडकर से नफरत और संविधान को खत्म करने की जो कोशिशें लगातार चल रही हैं, उन पर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस दोनों पुरजोर तरीके से आवाज उठा रहे हैं। लेकिन मायावती ने गुरुवार को योगी सरकार की तारीफ की तो वहीं सपा पर जमकर हमला बोला। जिस पर अखिलेश यादव ने कहा कि क्योंकि 'उनकी' अंदरूनी सांठगांठ है जारी, इसीलिए वो हैं जुल्म करने वालों के आभारी। बता दें कि मायावती ने रैली की शुरुआत में कहा कि अभी मैंने सुना कि अखिलेश यादव ने सत्ता में आने पर कांशीराम का स्मारक बनाने की बात कही लेकिन जब सत्ता में थे तो कभी ऐसा नहीं किया। ये लोग जब सत्ता में नहीं होते हैं तो इन्हें बसपा के नेता और दलित समाज के संतों की याद आती है जब सत्ता में आते हैं तो कुछ नहीं याद रहता है। ऐसे लोगों से सावधान रहना चाहिए। उन्होंने इल्जाम लगाया कि बसपा की सरकार रहते हुए मैंने जिन स्मारकों का नाम कांशीराम जी के नाम पर रखा उन्हें सपा की सरकार आने पर बदल दिया गया। मायावती ने कहा कि बसपा सरकार में कांशीराम के सम्मान में स्मारक स्थल बनाया गया था। उन्होंने योगी सरकार का भी आभार जताया और कहा कि स्मारक के देखने आने वालों की टिकट से आया पैसा इस सरकार ने सपा की सरकार की तरह टिकट का पैसा दबाकर नहीं रखा। भाजपा सरकार ने ऐसा नहीं किया बल्कि स्मारक के रखरखाव के लिए खर्च किया।

करवा चौथ: अखंड सौभाग्य के लिए सुहागिनों ने 14 घंटे रखा निराजल व्रत

गोरखपुर,संवाददाता। महिलाओं ने निराजल व्रत रखा, इसके बाद विधि–विधान से पूजा–अर्चना की। चांद को देखते ही हर–हर महादेव का नारा गूंज उठा। करवा चौथ का पर्व पर शुक्रवार को सुहागिनों ने भक्ति और उल्लास में डूबी रहीं। 14 घंटे निराजल व्रत रखा। बादलों की लुकाछिपी के बीच जैसे ही चांद नजर आया तो चलनी की ओट से चंद्रदेव के दर्शन किए और अर्घ्य दिया। कृतिका नक्षत्र और सिद्धियोग में महिलाओं ने चंद्रदेव, करवा माता के साथ शिव दरबार में पूजा की। सोलह शृंगार कर घरों और कॉलोनियों के साथ ही मंदिरों में भी करवा चौथ की विधिवत पूजा की और कथा का श्रवण कर अखंड सौभाग्य की कामना की। खासकर सिंधी, पंजाबी और मारवाड़ी बहुल कॉलोनी संतरघुवर नगर, अमर नगर, सिद्धगिरी बाग, महमूरगंज आदि इलाकों में समूह में महिलाओं ने परंपरानुसार करवा चौथ की पूजा की। रात में 8:03 बजे बादल की ओट से चांद आसमान में नजर आया तो उनके चेहरे पर अलग उत्साह दिखा।

पहले चंद्रदेव को चलनी से देखा। पूजन के बाद पहला अर्घ्य चंद्रमा को अर्पित किया। इसके बाद लोक मान्यतानुसार के अनुसार व्रत रखकर पूजन किया। महिलाओं ने चौथ माई की कथा सुनीं और फल, मिठाई आदि का भोग लगाकर करवा फेरने की रस्म निभाई। पति के हाथों से जल पीकर व्रती महिलाओं ने व्रत का पारण किया। उधर, पांडेयपुर स्थित दक्षिणेश्वरी काली मंदिर में करवा चौथ की पूजा के लिए महिलाओं भीड़ रही। व्रत पूरा होने के बाद महिलाओं ने शिवालयों और गणेश मंदिरों में भी दर्शन पूजन किया।

सरगी से व्रत की शुरुआत, सास से लिया आशीष

मारवाड़ी, पंजाबी और सिंधी समुदाय की सुहागिन सरगी से करवा चौथ की शुरुआत की। उनकी सास ने सरगी में चूरमा, मठरी, फेनी, सूखे मेवे, नारियल, फल आदि के अलावा कपड़े और शृंगार की सामग्री भेंट किया। भोर में सरगी की सामग्री ग्रहण करने के बाद दिनभर निराजल व्रत रखा। फिर दिनभर निराजल व्रत रखकर शाम को सोलह शृंगार कर भगवान शिव, पार्वती, गणेश और चंद्रदेव की पूजा की। करवे के जल से चंद्रदेव को अर्घ्य देने के बाद मठरी और करवे के जल से व्रत तोड़ा। फिर सास के आंचल में वस्त्र, मिठाई व शगुन देकर आशीर्वाद लिया।

अखंड सौभाग्य और अटूट विश्वास का प्रतीक करवा चौथ

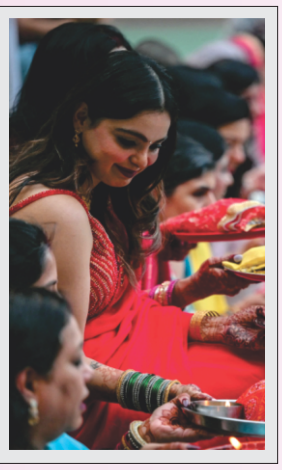

औषधि निरीक्षक लाइसेंस जारी करने में व्यस्त

जांच का नहीं वक्त... ऐसे चल रहा है नकली दवाओं का कारोबार

लखनऊ,संवाददाता। निरीक्षकों के पद खाली होने और दो–दो जिलों का कार्यभार होने से निगरानी प्रभावित होती है। ऐसे में नकली दवाएं ग्रामीण इलाकों तक पहुंच जाती हैं। ज्यादातर औषधि निरीक्षक मेडिकल स्टोरों के लाइसेंस जारी करने तक ही सीमित हैं। उनके पास दवाओं की जांच के लिए वक्त ही नहीं है। यह जांच अभियान तभी शुरू होते हैं, जब किसी न किसी राज्य में कोई घटना हो जाती है। दबी जुबान से यह बात खुद औषधि निरीक्षक भी स्वीकार करते हैं।

प्रदेश में करीब एक लाख थोक और ढाई लाख से अधिक फुटकर दवा दुकानें एवं ब्लड बैंक हैं। हर साल इनमें करीब 10 फीसदी की बढ़ोतरी हो रही है। औषधि निरीक्षकों के स्वीकृत 109 पदों में से 32 खाली चल रहे हैं। जिन जिलों में दो औषधि निरीक्षक के पद हैं, वहां कहीं एक हैं तो कहीं एक भी नहीं। 13 जिलों में दो–दो जिलों का कार्यभार है। औषधि निरीक्षकों की मानें तो उनका ज्यादातर वक्त सिर्फ लाइसेंस संबंधी कार्य पूरे करने में ही जाता है, क्योंकि लाइसेंस की निरंतर समीक्षा होती है। 15 दिन में यह कार्य पूरा नहीं किया तो जवाब देना पड़ता है। लाइसेंस जारी करने से पहले स्थयील सत्यापन सहित अन्य प्रक्रिया पूरी करनी पड़ती है। ऐसे में दवाओं की जांच तभी कर पाते हैं, जब लाइसेंस से जुड़े कार्य कम होते हैं। हर जिले में चार से पांच तहसीलें हैं। करीब 100 किमी के दायरे में मेडिकल स्टोर हैं। ऐसे में अकेले सभी दुकानों तक पहुंचना नामुमकिन है। इसका फायदा मिलावट करने वाले और नकली दवा बनाने वाली कंपनियां उठाती हैं। यही वजह है कि नकली दवाओं की खेप ज्यादातर ग्रामीण इलाके की दुकानों पर पहुंचाई जाती हैं।

खुद करनी होती है न्यायालय में पैरवी

औषधि निरीक्षकों की मानें तो उन्हें न्यायालय में पैरवी के लिए कोई अतिरिक्त स्टाफ नहीं मिला है। कोई पैरोकार नहीं होने की वजह से उन्हें न्यायालय से जुड़े कार्य भी देखने होते हैं। न्यायालयों में बेहतर पैरवी नहीं करने और सुबूत नहीं जुटा पाने की वजह से तमाम आरोपी छूट जाते हैं।

कफ सिरप के खिलाफ 2022 में भी चला था अभियान

अक्तूबर 2022 में हरियाणा के सोनीपत की कंपनी द्वारा बनाए जाने वाले कफ सिरप से अफ्रीकी देश गांबिया में कई बच्चों की मौत हो गई थी। उस वक्त इस कंपनी के चार बैच को प्रतिबंधित किया गया। पूरे प्रदेश में जांच अभियान चलाया गया। जब तक अभियान चला संबंधित कंपनी के सिरप प्रदेश में नहीं मिले। इसके बाद फिर से बिक्री शुरू हो गई।

ये है निरीक्षकों की जिम्मेदारी

ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट के तहत औषधि निरीक्षक दवा और कॉस्मेटिक के विनिर्माण, वितरण और विक्री की निगरानी करते हैं। उनके मुख्य कार्यों में विनिर्माण इकाइयों, प्रयोगशालाओं और फार्मेसियों का निरीक्षण करना, उत्पादों के नमूने लेना, लाइसेंस के अनुपालन की जांच करना, नकली या घटिया उत्पादों को रोकना और अधिनियम के उल्लंघन के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू करना शामिल है।

दिवाली से पहले लगने वाले स्वदेशी मेले हस्तशिल्पियों को देंगे 1500 करोड़ का बाजार, 18 अक्तूबर तक आयोजन

लखनऊ,संवाददाता। स्वदेशी मेले से छोटे हस्तशिल्पियों, महिलाओं व लघु उद्यमियों को बड़ा मंच मिलेगा। मेलों का मुख्य उद्देश्य दिवाली के बाजार को चीनी उत्पादों से मुक्त करना है। नौ से 18 अक्तूबर तक प्रदेश के हर जिले में लगने वाले स्वदेशी मेले दिवाली से पहले हस्तशिल्पियों को कम से कम 1500 करोड़ का बाजार देंगे। प्रत्येक जिले में लगने वाले इन मेले में छोटे हस्तशिल्पियों, महिलाओं और लघु उद्यमियों को बड़ा मंच मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को गोरखपुर से स्वदेशी मेलों का औपचारिक शुभारंभ करेंगे। सभी मंत्रियों को स्वदेशी मेले की जिम्मेदारी दी गई है। इन मेलों का मुख्य उद्देश्य दिवाली के बाजार को चीनी उत्पादों से मुक्त करना है।

स्वदेशी मेले का उद्देश्य स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देना, उद्योगों को बढ़ावा देना और 'वोकल फॉर लोकल' के संकल्प को जन–जन तक पहुंचाना है। दस दिवसीय स्वदेशी मेलों का आयोजन शहर के व्यवसायिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण और उपयुक्त स्थलों पर किया जा रहा है, ताकि आम जनता सुगमता से पहुंच सके और सक्रिय रूप से सहभागिता कर सके।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 के अंतर्गत जनपद स्तर पर स्वदेशी मेलों के आयोजन के लिए निर्देश जारी किए गए हैं। आयोजन के दौरान जनपद के प्रभारी मंत्री समेत अन्य जनपद प्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से आमंत्रित किया गया है। प्रत्येक जनपद के उपायुक्त उद्योग नोडल अधिकारी के रूप में मेले की व्यवस्था देखेंगे और जिलाधिकारी से मार्गदर्शन प्राप्त करेंगे। वहीं स्वदेशी मेले को जीएसटी बचत उत्सव के रूप में भी मनाया जा रहा है।

उपलब्ध कराए गए निशुल्क स्टॉल

स्वदेशी मेला में उद्योग विभाग, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, माटी कला बोर्ड, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग, रेशम विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन, सीएम युवा, ओडीओपी, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, पीएमईजीपी, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के लाभार्थियों, वित्त पोषित इकाईयों, स्वयं सहायता समूहों और अन्य उत्पादकों को निशुल्क स्टॉल उपलब्ध कराए गए हैं। मेले में वस्तुओं एवं सेवाओं के क्रय के लिए जेम पोर्टल का उपयोग अनिवार्य रूप से किया गया है। स्थानीय कारीगरों को मिलेगा मंच इन मेलों में स्थानीय कारीगरों, उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों, हस्तशिल्पियों और ग्रामीण उद्योगों को अपनी कला और उत्पाद प्रदर्शित करने का मंच मिलेगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में सजने वाले ये मेले दिवाली से पहले 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देंगे, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों अर्थव्यवस्थाओं को नई दिशा मिलेगी।

सरदार पटेल की जयंती पर जिलों में निकलेगा एकता मार्च, 31 अक्तूबर से 25 नवंबर तक होगी पदयात्रा

लखनऊ,संवाददाता। एकता यात्रा का आयोजन मंत्री–सांसदों के नेतृत्व में किया जाएगा जिसका उद्देश्य युवाओं में एकता, देशभक्ति और जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना जगाना है। खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर सरदार 150 एकता मार्च निकाला जाएगा। इसके तहत 31 अक्तूबर से 25 नवंबर तक जिलों में पदयात्राएं निकाली जाएंगी। इसका उद्देश्य युवाओं में एकता, देशभक्ति और जिम्मेदार नागरिक की भावना जगाना है। वह अलीगंज स्थित पीआईबी के दफ्तर में पत्रकारों से बात कर रहे थे।

मंत्री ने कहा कि एकता मार्च युवाओं को राष्ट्र निर्माण में शामिल करने का त्योहार साबित होगा। मार्च की सभी तैयारियां और व्यवस्था एनएसएस और माई इंडिया के स्वयंसेवक करेंगे।

इसका पहला चरण छह अक्तूबर से शुरू हो गया है। इसमें सोशल मीडिया रील प्रतियोगिता, निबंध लेखन और 15–29 आयु के युवाओं के लिए यंग लीडर्स प्रोग्राम व क्विज गतिविधियां हो रही हैं।

विजेताओं की घोषणा 26 नवंबर को होगी। अभियान के अगले चरण में 31 अक्तूबर से 25 नवंबर तक जिला स्तरीय पदयात्राएं होंगी। पदयात्रा हर संसदीय क्षेत्र में लगातार तीन दिनों तक चलेगी। इसमें मंत्री व सांसदों के नेतृत्व में पदयात्राएं निकाली जाएंगी। इससे पहले स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छता अभियान, सरदार पटेल के जीवन और दर्शन पर व्याख्यान, युवा परिचर्चा और नशामुक्त भारत के लिए सामूहिक संकल्प जैसे कार्यक्रम होंगे। राष्ट्रीय स्तर की पदयात्रा 26 नवंबर से मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर की पदयात्रा 26 नवंबर (संविधान दिवस) से शुरू होकर 6 दिसंबर को खत्म होगी। यह पदयात्रा सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्मस्थली गुजरात के करमसद से शुरू होकर 152 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। यह केवडिया स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर समाप्त होगी। पदयात्रा में केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया भी शामिल होंगे।

हीरा बनाने वाली मशीनें बाजार में 90 प्रतिशत गिरे कृत्रिम हीरे के भाव... 150 साल में बनता है असली हीरा

लखनऊ,संवाददाता। लैब में तैयार होने वाला हीरा देखने और गुण में बिल्कुल असली जैसा होता है। वहीं, मशीन से बनने वाले हीरे 7 से 15 दिन में तैयार हो जाते हैं। लैब में तैयार होने वाले कृत्रिम हीरों से सराफा बाजार पटा पड़ा है। ये इतने वास्तविक हैं कि असली और नकली में भेद कर पाना बेहद मुश्किल है। आईआईटी द्वारा तैयार 5 हजार रियेक्टर सूरत सहित उत्तर प्रदेश के कई शहरों में दिनरात नकली हीरे बना रहे हैं। हाल ये हो गया कि महज चार साल में एक कैरेट कृत्रिम हीरे के दाम 4 लाख से गिरकर 25 हजार पर आ गए। वहीं असली हीरों का बाजार फिर दमक उठा है। जिसका नतीजा है आठ महीने में 15 फीसदी का मुनाफा असली हीरों ने दिया है।

– एक तरफ सोना–चांदी रोजाना कीमतों के नए रिकार्ड गढ़ रहे हैं तो दूसरी तरफ हीरे की मंद होती चमक भी लौट रही है। पिछले साल हीरा बाजार के लिए बेहद उतार चढ़ाव भरे रहे। वर्ष 2018 में पहली बार लैब में तैयार किया गया हीरा दुनिया के सामने आया। वर्ष 2020 में एक कैरेट के कृत्रिम और एक कैरेट के असली हीरे के दाम 4 लाख रुपये थे।

– बीच में यही असली हीरा गिरकर 3 लाख से 3.25 लाख पर आ गया लेकिन 4 लाख वाला नकली हीरा 25 हजार रुपये में आ गिरा। अगले एक साल में ये 15 से 20 हजार रुपये में आने के आसार हैं। असली हीरे से बढ़ते प्रेम का नतीजा है कि कुल बाजार में 20 फीसदी हिस्सेदारी डायमंड ज्वैलरी की है।

क्यों बेहाल हो गया लैब वाला हीरा

करीब दो साल पहले वित्त मंत्रालय ने आईआईटी चेन्नई को लैब में हीरे तैयार वाले रियेक्टर का प्रोजेक्ट दिया था। फिर आईआईटी कानपुर, आईआईटी बाम्बे सहित अन्य आईआईटी में भी इसे बनाने की होड़ मची। उनकी तकनीक से पहले बेहद महंगा रियेक्टर अब दो करोड़ का बिक रहा है। 50 लाख निवेश कर शेष रकम लोन लेकर सूरत में हजारों मशीनें लगी हैं। यूपी, दिल्ली, राजस्थान और महाराष्ट्र में भी ये मशीने धड़ल्ले से लग रही हैं। अब डिमांड से ज्यादा सप्लाई हो गई। पिछले महीने हांगकांग में आयोजित दुनिया के सबसे बड़े ज्वैलरी शो में सोने की ज्वैलरी के साथ लैब वाला नकली हीरा फ्री में देने की घोषणा ने इस बाजार की हालत और पस्त कर दी। अब तो हीरों की सर्टिफाई करने वाले अंतर्राष्ट्रीय रत्न संस्थान (आईजीआई) ने लैब वाले हीरों को सर्टिफाई बंद करने का एलान कर दिया है। हीरों का प्रमाणीकरण न होने की वजह से इनकी कीमतों में इतनी गिरावट आई है।

असली हीरा कैसे बनता है

प्राकृतिक हीरा धरती के गर्भ में 150 किलोमीटर नीचे बेहद उच्च तापमान में 10 लाख साल में तैयार होता है। भूकंप व ज्वालामुखी फटने से मैग्मा के साथ ऊपर आता है। इसे दस किलोमीटर नीचे खदान से निकाला जाता है। इन कच्चे हीरों को बाहर निकालकर तराशा जाता है। कटिंग व पालिश के बाद ये अलग–अलग रूप में तैयार होते हैं। ये हीरे लैब में तैयार होते हैं इसीलिए इन्हें शार्ट में एलजीडी भी कहा जाता है। ये दो तरीके से लैब में बनते हैं। पहला हाई प्रेशर हाई टेम्परेचर (एचपीएचटी) और दूसरा केमिकल वेपर डिस्पोजिशन (सीबीडी)। ये डायमंड का रियेक्टर होता है, जिसमें इसे तैयार किया जाता है। इन रिपेक्टरों से एक हीरा 7–15 दिन में ही बन जाता है।

असली के नाम पर नकली न खरीद लें

असली और नकली हीरे में पहचान कर पाना बेहद मुश्किल है। असली के नाम पर नकली हीरा कोई न थमा दे, इससे बचने के लिए सर्टिफिकेट जरूर लें, जिसमें नेचुरल डायमंड साफ लिखा हो। भरोसेमंद और साख वाले ज्वैलर्स से ही खरीदें जिसके पास हीरे की पहचान करने वाला हाईटेक माइक्रोस्कोप हो। जेमोलाजिकल इंस्टीट्यूट के सर्टिफाइड जेमोलाजिस्ट श्रेयांस कपूर का कहना है कि असली हीरा दस लाख साल में प्रकृति तैयार करती है जबकि लैब में ये 15–20 दिन में तैयार हो जाता है। हीरा प्यार, समर्पण और रिश्तों का प्रतिबिंब माना जाता है। यही वजह है कि लैब में तैयार होने वाले नकली हीरों की कीमत महज चार वर्ष में 90 फीसदी तक गिर गई है। आने वाले एक साल में इसमें और गिरावट आएगी। वहीं प्राकृतिक हीरे की मांग दोबारा तेज होने से इसने 10 से 15 फीसदी तक रिटर्न दिया है।

अयोध्या में देर रात दूसरा धमाका

मृतकों की संख्या छह हुई, रेस्क्यू के दौरान हुए ब्लास्ट में लेखपाल हुआ घायल

लखनऊ,संवाददाता। अयोध्या जिले में गुरुवार देर शाम हुए भीषण धमाके में छह लोगों की मौत हो गई। वहीं, देर रात हुए एक और धमाके में एक लेखपाल घायल हो गया। अयोध्या की पंचायत भदरसा भरतकुंड के महाराणा प्रताप वार्ड के पगलाभारी गांव के एक घर में गुरुवार रात हुए भीषण धमाके में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए पुलिस टीम व अन्य कर्मचारी मौजूद थे। इसी दौरान हुए एक और धमाके में लेखपाल आकाश सिंह घायल हो गया। दोबारा हुए धमाके से हड़कंप मच गया। दूसरा धमाका 11 बजे के करीब हुआ। वहीं, शुक्रवार सुबह मलबे में एक और शव बरामद हुआ है जिसके बाद हादसे में मृतकों की संख्या छह हो गई है।

इसके पहले हुए धमाके से मलबे में दबकर पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल हैं।

गांव के निवासी रामकुमार उर्फ पारसनाथ के घर में शाम करीब 7.30 बजे एक तेज धमाका हुआ। धमाके साथ पूरा घर फिल्मी स्टाइल में उड़ गया। घर की दीवारें ताश के पत्तों की तरह ढहीं। धमाके से पूरा इलाका हिल गया।

एचपीसीएल की टीम मौके पर

गांव में विस्फोट मामले में सिलेंडर की जांच के लिए एचपीसीएल की टीम पहुंची है और मौके पर जांच कर रही है। टीम की निगरानी में मकान की बुनियाद को खोदा जा रहा है। बुनियाद जेसीबी से खोदी जा रही है। बताया गया कि रामकुमार गांव के बाहर घर बनाकर रहते थे। वहीं धमाका हुआ है। धमाके की आवाज सुन गांव के लोग मौके की तरफ भागे। वहां का दृश्य देख ग्रामीणों के रोंगटे खड़े हो गए।

कुछ लोग चांद तो नहीं होते लेकिन ज़िन्दगी में रोशनी उनसे ही होती है

देश भर में करवा चौथ की धूम रही

इस त्यौहार को बड़े उत्साह के साथ मनाया। प्रियंका चोपड़ा, रकुल प्रीत सिंह, परिणीति, सोनाक्षी से लेकर शिल्पा शेट्टी और रवीना टंडन समेत कई सेलेब्स ने सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें शेयर की हैं।

और नहीं कुछ तुमसे कहना... जीवनसाथी साथ में रहना, बरेली में ऐसे में मनाया गया करवाचौथ

बलिया,संवाददाता। बलिया में करवाचौथ का पर्व धूमधाम से मनाया गया। सुहागिनों ने निर्जल व्रत रखकर शाम को चांद का दीदार करने के बाद व्रत खोला। विधि–विधान से पूजा कर पति की दीघार्यु के लिए कामना की। बरेली में करवाचौथ पर सुबह से निर्जल व्रत रखकर शाम को विधि विधान के साथ पूजा पाठ किया।

इसके बाद चांद देखकर और नहीं तुम से कुछ कहना, जीवन साथी साथ में रहना...की कामना के साथ महिलाओं ने सौभाग्यवती होने का वरदान मांगा। सिद्धि योग और शिववास योग में शुक्रवार को करवाचौथ मनाया गया। पतियों की लंबी उम्र और खुशहाल परिवार के लिए सुहागिनों ने करवाचौथ का व्रत रखा। दिनभर चांद के दीदार के लिए बेकरार रहीं सुहागिनों का इंतजार रात करीब 8:15 बजे चंद्रोदय के दर्शन से खत्म हुआ।

चंद्रोदय के बाद महिलाओं ने विधि–विधान से पूजा की और छलनी से पति का चेहरा देखा। पति के हाथ से पानी पीकर व्रत का परायण किया। फिर पतियों ने पत्नियों को उपहार दिए तो चेहरे की दमक देखते ही बन रही थी।

सोलह श्रृंगार से सजी महिलाएं बिल्कुल दुल्हन जैसी लगी। घरों समेत मंदिरों और कॉलोनियों में करवा चौथ की सामूहिक पूजा हुई। राजेंद्र नगर स्थित बांके बिहारी मंदिर में महिलाओं में पूजा पाठ किया। शाम को मंदिर में महिलाएं एकत्र अपनी थाली बदली और विधि–विधान के साथ पूजा पाठ की।

विधि–विधान से किया व्रत

पारंपरिक रीति रिवाजों के अनुसार करवा चौथ पर परिवार की सभी सुहागिनों ने एक साथ मिलकर सामूहिक रूप से चांद को अर्घ्य दिया। पूजन विधि में गणेश, पार्वती और कार्तिकेय की आरती उतारकर फिर पति की आरती उतारी और चांद को चलनी से निहारकर अपने चांद को निहाराते हुए चांद को अर्घ्य दिया।

व्रती महिलाओं ने अपने पति के पांव छूकर आशीर्वाद लिया। फिर परिवार के बजुर्गों से दंपतियों ने अखंड समर्पण और प्रेम बरकरार रहने का आशीर्वाद लिया। पतियों ने पत्नियों को मीठा जल पिलाकर उनका अखंड व्रत परायण कराया।

हरि मंदिर में मनाया करवाचौथ

हरि मंदिर में करवाचौथ का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शाम को महिलाएं सोलह श्रृंगार कर मंदिर पहुंचीं। यहां पर विधि विधान के साथ पूजा पाठ की। इसके बाद करवाचौथ की कहानियां पढ़ी। इस दौरान अध्यक्ष रेनू छाबड़ा, कंचन अरोड़ा आदि मौजूद रहे।

सपा में टिकट की दौड़ में सक्रिय हुए आजमवादी

अखिलेश–आजम की मुलाकात से बढ़ी उम्मीद,एमपी की बेटी भी कतार में

मुरादाबाद,संवाददाता। 2027 की जंग के लिए टिकट की दौड़ में अब आजमवादी सक्रिय हो गए हैं। आजम खां के जेल जाने के बाद उनके करीबी पार्टी में हाशिये पर चले गए थे। आजम–अखिलेश की मुलाकात से करीबियों में अच्छे दिनों की उम्मीद बढ़ी है। सपा के कद्दावर नेता आजम खां की जेल से रिहाई और फिर अखिलेश यादव की रामपुर में उनसे मुलाकात के बाद पश्चिमी यूपी में सियासी हलचल तेज हो गई है। 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए आजमवादी छाप वाले नेता सक्रिय हो गए हैं। माना जा रहा है कि 2022 के मुकाबले 2027 के विधानसभा चुनावों के टिकट बंटवारे में आजम खां की राय को ज्यादा अहमियत मिलेगी। यही कारण है कि पार्टी में उनके करीबी नेताओं की सक्रियता बढ़ गई है। आजम खां का प्रभाव पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में हमेशा निर्णायक रहा है। रामपुर के साथ–साथ मुरादाबाद और नजदीकी क्षेत्रों में उनकी सियासी छाया लंबे समय से कायम है। अब जबकि वह जेल से बाहर हैं और अखिलेश यादव के साथ रिश्तों पर जमी बर्फ पिघल चुकी है।

रुचिवीरा का सपाई सफर भी आजम खां की छाप से अलग नहीं

ऐसे में उनके करीबी नेताओं ने एक बार फिर अपने पुराने इलाकों में दौड़भाग शुरू कर दी है। इसमें कई नेता शामिल हैं जिनका राजनीति में सीधा संबंध आजम खां या सांसद रुचिवीरा से है। रुचिवीरा का सपाई सफर भी आजम खां की छाप से अलग नहीं है।

कांठ विधानसभा सीट है दिलचस्प

मुरादाबाद जिले की बात करें तो सबसे दिलचस्प कांठ विधानसभा सीट है। आजम खां के बेहद करीबी नेता यूसुफ मलिक की इस सीट पर दावेदारी है। कुछ समय में उनकी सक्रियता फिर काफी बढ़ी है। वह आजम खां के भरोसेमंद माने जाते हैं। यूसुफ मलिक ने 2017 में भी कांठ विधानसभा सीट से टिकट मांगा था। हालांकि कांठ से मौजूदा समय में कमाल अख्तर विधायक हैं जो मुलायम सिंह यादव के जमाने से सैफई परिवार के करीबी माने जाते हैं। पार्टी के भीतर चर्चा है कि अगर आजम की चली तो कमाल अख्तर को अपनी पुरानी सीट हसनपुर (अमरोहा) की ओर लौटना पड़ सकता है और यूसुफ मलिक कांठ विधासनभा क्षेत्र से चुनाव लड़ सकते हैं।

मोहम्मद फहीम का भी नाम इस सूची में प्रमुख

बिलारी से मौजूदा विधायक मोहम्मद फहीम का भी नाम इस सूची में प्रमुख है। वह भी हाल ही में रामपुर जाकर आजम से मुलाकात कर चुके हैं। बिलारी से टिकट के लिए पुराने सपाई राजेश यादव समेत कुछ अन्य नेताओं की दावेदारी मजबूत मानी जा रही है लेकिन सिटिंग विधायक होने के नाते फहीम के समर्थक भविष्य के लिए आश्वस्त हैं।

महमूद सैफी और शाने अली शानू भी टिकट की दौड़ में

आजम खेमे से ही डॉ. महमूद सैफी और शाने अली शानू भी टिकट की दौड़ में हैं। डॉ. सैफी पूर्व जिला पंचायत सदस्य रह चुके हैं और नगर या ठाकुरद्वारा सीट से चुनाव लड़ना चाहते हैं। वहीं शाने अली शानू देहात सीट पर अपनी दावेदारी मजबूत करने में लगे हैं। यह दोनों नेता फिलहाल सपा सांसद रुचिवीरा के भी करीबी हैं।

आजम खेमे से अलग इनकी भी मजबूत दावेदारी

आजम गुट के अलावा भी कई नेता सक्रिय हैं और अपनी दावेदारी पेश करने के लिए अग्रिम पंक्ति में हैं। शिवपाल यादव के करीबी राजेश यादव और संगठन में मजबूत स्थान रखने वाले प्रदेश सचिव जयपाल सिंह सैनी भी टिकट की दौड़ में हैं। देहात विधानसभा क्षेत्र के मौजूदा विधायक नासिर कुरैशी और पूर्व विधायक उस्मानुल हक के परिवार की भी दावेदारी है। वहीं ठाकुरद्वारा के मौजूदा विधायक नवाब जान भी अपनी सीट पर दोबारा चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। इसके अलावा नगर विधानसभा सीट से यूसुफ अंसारी एक बार फिर सियासी मैदान में उतरने को इच्छुक हैं। यूसुफ अंसारी 2012 में इसी सीट से विधायक रहे लेकिन 2017 और 2022 में मामूली अंतर से चुनाव हार गए थे। बावजूद इसके वह अखिलेश के करीबी नेताओं में गिने जाते हैं। इनके अलावा खुद जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव और पूर्व जिलाध्यक्ष अतहर अंसारी नगर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं।

सपा सांसद की बेटी भी कतार में

सपा सांसद रुचिवीरा की बेटी स्वाति वीरा भी अपनी सियासी पारी शुरू कर सकती हैं। पार्टी के भीतर इस बात की जोरों से चर्चा है कि सांसद की बेटी नगर विधासनभा सीट से अपनी किस्मत आजमा सकती हैं। सांसद के करीबी नेताओं के मुताबिक कई स्थानीय नेताओं ने रुचि उनकी बेटी को नगर विधानसभा सीट से चुनाव लड़वाने की मांग की है लेकिन अंदरखाने चर्चा यह भी है कि सपा सांसद अपनी बेटी को मुरादाबाद के बजाय बिजनौर की बढ़ापुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़वाना चाहती हैं।

मायावती की तारीफ आजम खां ने कही ये बात

'वो मेरी मेहमान रह चुकी, बड़ों से रिश्ता रहा', आजम ने की मायावती की तारीफ, राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज

मुरादाबाद,संवाददाता। सपा नेता आजम खां ने बसपा सुप्रीमो मायावती की तारीफ की। उन्होंने कहा कि मायावती मेरी मेहमान रह चुकी हैं, बड़ों से रिश्ता रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसी बात नहीं कह सकता जो दुख का कारण बने। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती की जमकर तारीफ करते हुए बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वह और पूरा देश मायावती का सम्मान करता है और वह एक बड़े जनसमूह की नेता हैं।

आजम खां के इस बयान से उन उन चर्चाओं को एक बार फिर बल मिल गया है, जिनमें कहा जा रहा था कि आजम बसपा की तरफ रुख कर सकते हैं। मीडिया को दिए इंटरव्यू में आजम खां ने मायावती के साथ अपने पुराने रिश्ते को याद किया।

कहा, जब वह रैली में रामपुर आईं थीं, तब मेरी मेहमान थीं। मेरा उनके बड़ों से भी रिश्ता रहा है। उन्होंने एक दिलचस्प वाकया साझा करते हुए कहा, ये बात किसी को नहीं मालूम कि लखनऊ में सुबह जब मैं फज्र की नमाज पढ़ता था, तब कांशीराम जी उनसे (मायावती) मिलने आते थे और आधा–एक घंटे बात करके जाते थे। मायावती के प्रति सम्मान जताते हुए आजम खां ने कहा कि मैं कोई ऐसी बात नहीं कह सकता जो उनके लिए दुख का कारण बने या शिकायत का सबब बने।

लखनऊ रैली के आरोपों पर क्या कहा आजम खां ने

लखनऊ रैली में मायावती की ओर से सपा सरकार पर लगाए गए आरोपों के सवाल पर आजम खां ने सफाई देते हुए कहा, ये राजनीतिक सवाल है और उनकी राजनीतिक शिकायत है। इसका जवाब जो हमारे यहां उनके स्तर के हैं, वे ही देंगे। पिछले दस वर्षों को याद करते हुए उन्होंने कहा, मैं तो आठ–दस बरस से ऐसे हालात का शिकार हूं कि मुझे यही नहीं मालूम कौन सा पार्क कहां था, कहां है। दस साल बड़े ही सख्त गुजरे हैं।

'कोशिश करेंगे कि उनकीशिकायतों का समाधान हो'

भविष्य की संभावना पर बात करते हुए आजम खां ने कहा, अगर हम सत्ता में आते हैं, जिसकी उम्मीद की जा सकती है, तो कोशिश करेंगे कि उनकी (मायावती) शिकायतों का समाधान हो और आगे उन्हें ऐसी किसी शिकायत का मौका न मिले।

नहीं चेता रामकुमार और स्वाहा हो गया परिवार...

अयोध्या,संवाददाता। पूराकलंदर इलाके के पगलाभारी गांव में हुए पहले धमाके के चार घंटे बाद बचाव कार्य के दौरान फिर धमाका हुआ। धमाका इतना जबर्दस्त था कि 50 मीटर दूर खड़े लेखपाल आकाश सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें लखनऊ के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं 17 घंटे बाद मलबे के नीचे से एक महिला का शव बरामद हुआ। इससे धमाकों में मरने वालों की संख्या छह हो गई है। अयोध्या के रामकुमार गुप्ता को मौत ने दो–दो बार चेतने का मौका दिया, लेकिन उसने सबक नहीं लिया। लिहाजा इस बार उसका पूरा परिवार स्वाहा हो गया। उसकी चिता को अग्नि देने वाला परिवार में कोई नहीं बचा तो साले ने अंतिम संस्कार किया। वहीं, नम आंखों से तीनों मासूम बच्चों को सरयू तट पर दफनाया गया। मूलरूप से बस्ती के रहने वाले लाल बहादुर लगभग पांच दशक पूर्व पूराकलंदर के पगलाभारी में रहने लगे थे।

धमाके के साथ बिखर गई मकान की एक–एक ईंट

कुकर के साथ फटा मिला ये खतरनाक सामान, तीन बच्चों सहित पांच की मौत

अयोध्या,संवाददाता। भदरसा–भरतकुंड नगर पंचायत के पगलाभारी गांव के एक मकान में हुए धमाके की आवाज काफी दूर तक सुनी गई। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मकान की एक–एक ईंट बिखर गई। पिता व तीन बच्चों समेत पांच की मौत हो गई।

अयोध्या के हनुमत नगर में तेज धमाके के साथ बृहस्पतिवार देर शाम 7.30 बजे मकान गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई। इनमें तीन बच्चे, उनके पिता और एक मजदूर शामिल हैं। बचाव कार्य जारी है। लेकिन मलबे में अन्य कोई घायल नहीं मिला है।

पटाखा या रसोई गैस सिलिंडर से धमाके की आशंका जताते हुए पुलिस जांच में जुटी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्थिति पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं।

फाइनल वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने या हटाने के लिए एक भी आवेदन नहीं

पटना,एजेंसी। चुनाव आयोग ने सात करोड़ 41 लाख, 92 हजार 357 मतदाताओं की फाइनल सूची जारी की थी। खास बात यह है कि इस बार वोटर लिस्ट में 14 लाख से अधिक नए मतदाता भी शामिल हुए। इनमें अधिकतर ऐसे हैं जिनकी उम्र 18 साल से 19 साल के बीच है। बिहार में फाइनल वोटर लिस्ट प्रकाशित होने के बाद भी विपक्षी दल इस पर सवाल उठा रहे हैं। आरोप लगाया कि कई वैद्य वोटरों के नाम भी इस वोटर लिस्ट में काटे गए। इधर, चुनाव आयोग ने मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटने या फिर किसी तरह की गड़बड़ी होने पर जिलाधिकारी के सामने अपील करने की बात कही थी। लेकिन, 10 दिन बीच जाने के बाद भी किसी जिले से कोई अपील नहीं की गई। चुनाव आयोग ने इस बात की जानकारी दी।

जिला दंडाधिकारी को कोई अपील प्राप्त नहीं हुई है

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि चुनाव आयोग ने सभी जिलों का आंकड़ा जारी करते हुए कहा कि बिहार राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान, 2025 के दौरान नौ अक्टूबर तक सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी द्वारा मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने के संबंध में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 24(ए) के अंतर्गत जिला दंडाधिकारी को कोई अपील प्राप्त नहीं हुई है। बता दें कि चुनाव आयोग ने 30 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची प्रारूप का प्रकाशन कर दिया गया था।

अंतिम मतदाता सूची में कुल 74192357 मतदाता

निर्वाचन आयोग ने मतदाता पुनरीक्षण कार्य की शुरुआत जून माह में की थी। इस कार्य से पहले 7 करोड़ 89 लाख मतदाता थे। इसके पुनरीक्षण कार्य के बाद कुल 65 करोड़ मतदाताओं के नाम कटे थे। इनमें 22 लाख से अधित मृत मतदाता, करीब 35 लाख विस्थापित मतदाता थे। वहीं करीब सात लाख लोग ऐसे मतदाता थे, जिनका नाम दो जगह दर्ज था। हालांकि, चुनाव आयोग ने इन्हें दावा आपत्ति के लिए 30 दिन का वक्त दिया था। इसके बाद मतदाता सूची प्रारूप में कुल 7 करोड़ 24 लाख 5 हजार बताए गए। एक अगस्त से एक सितंबर तक दावा आपत्ति के बाद तीन लाख 66742 मतदाता हटाए गए। वहीं 21 लाख 53343 योग्य मतदाता जोड़े गए। इस तरह 30 सितंबर को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में कुल 74192357 मतदाता हैं।

बिहार विधानसभा चुनावों में डाक मतपत्र से मतदान के लिए अधिसूचना जारी

चुनाव आयोग बिहार विधानसभा चुनाव में बुजुर्गों, दिव्यांगजनों और सेवारत मतदाताओं को उनके घर से मतदान करने की सुविधा देगा। ये लोग डाक मतपत्र के जरिये मतदान कर सकेंगे। आयोग ने कहा कि 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता और दिव्यांग मतदाता डाक मतपत्र के माध्यम से अपना वोट डाल सकते हैं। ऐसे मतदाता फॉर्म 12 डी भरकर चुनाव की अधिसूचना जारी होने के 5 दिनों के भीतर अपने बीएलओ के माध्यम से रिटर्निंग ऑफिसर को जमा कर सकते हैं। मतदान दल उनके घर जाकर उनके वोट एकत्र करेंगे।

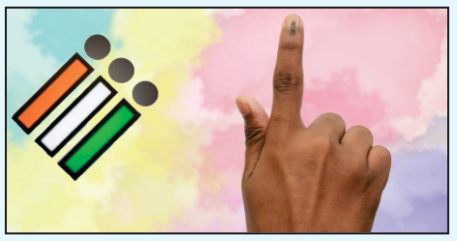

मतदान तिथि पर आवश्यक सेवाओं से जुड़े मतदाता अपने संबंधित विभाग के नामित नोडल अधिकारी के माध्यम से डाक मतपत्र सुविधा के लिए आवेदन कर सकते हैं। अग्निशमन सेवाएं, स्वास्थ्य, बिजली, यातायात, एम्बुलेंस सेवाएं, विमानन, लंबी दूरी की सरकारी सड़क परिवहन निगम आदि जैसी आवश्यक सेवाएं इस सुविधा के अंतर्गत आती हैं।

मुलायम सिंह की पुण्यतिथि पर अखिलेश ने दी श्रद्धांजलि

बोले– जो लोग दिल्ली का रास्ता नहीं जानते थे उन्हें...

संवाददाता, इटावा। सपा के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की तीसरी पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी समाधि स्थल पर सैफई में श्रद्धांजलि दी जा रही है। सपा अध्यक्ष और उनके पुत्र अखिलेश यादव ने परिवार के सदस्यों के साथ उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनकी समाधि पर पुष्प अर्पित किए। सपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव ने मुलायम सिंह को याद करते हुए कहा कि जो लोग दिल्ली का रास्ता नहीं जानते थे उन्हें उन्होंने सांसद बना दिया। जो लोग लखनऊ नहीं जानते थे उन्हें विधायक बनाकर भेजा। उन्होंने संघर्ष के जरिए सब कुछ अपने बलबूते पर किया।

समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की तीसरी पुण्यतिथि पर सैफई स्थित समाधि स्थल पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

अखिलेश यादव ने परिवार के साथ पुष्प अर्पित किए। रामगोपाल यादव ने उनके योगदान को याद किया। समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जहाँ पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने उन्हें नमन किया।

क्रिकेटर रिंकू को धमकी की खबरों के बीच पुलिस सतर्क

वेस्टइंडीज से दो गिरफ्तार, घर पर लगी सुरक्षा

रिंकू सिंह के घर पर सुरक्षा लगाई गई

अलीगढ,संवाददाता। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अलीगढ़ निवासी क्रिकेट रिंकू सिंह की प्रमोशनल टीम को फरवरी से अप्रैल के बीच तीन धमकी भरे मैसेज भेजे गए थे। इस पर कार्रवाई करते हुए इंटरपोल ने वेस्टइंडीज से मोहम्मद दिलशाद व मोहम्मद नवेद को गिरफ्तार किया है।

भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य क्रिकेटर रिंकू सिंह को अंडरवर्ल्ड से पांच करोड़ की रंगदारी मांगने संबंधी धमकी की खबरों का जिला पुलिस ने भी संज्ञान लिया है। खुद एसएसपी ने रिंकू सिंह से बात की है। सीओ को रिंकू के आवास पर भेजकर परिजनों से भी जानकारी ली है। हालांकि रिंकू व परिवार ने इस तरह की चर्चाओं का सिरे से खंडन किया है। बावजूद एहतियातन उनके ओजोन सिटी आवास पर सुरक्षा लगा दी गई है।

वेस्टइंडीज से दो गिरफ्तार

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अलीगढ़ निवासी क्रिकेट रिंकू सिंह की प्रमोशनल टीम को फरवरी से अप्रैल के बीच तीन धमकी भरे मैसेज भेजे गए थे। इस पर कार्रवाई करते हुए इंटरपोल ने वेस्टइंडीज से मोहम्मद दिलशाद व मोहम्मद नवेद को गिरफ्तार किया है। खबरों के अनुसार इन्होंने पूछताछ में रिंकू को धमकी भरे संदेश भेजे जाने संबंधी बातें कबूली हैं। इसके बाद अलीगढ़ पुलिस सतर्क हो गई है।

परिवार ने नहीं जताई सुरक्षा की जरूरत

इसी क्रम में गुरुवार दोपहर सीओ द्वितीय को उनके ओजोन सिटी आवास पर भेजा गया। वहीं खुद एसएसपी नीरज जादौन ने रिंकू सिंह से बात की। वे इन दिनों कानपुर में रणजी ट्रॉफी शिविर में शामिल हैं। एसएसपी से शाम को हुई बातचीत में उन्होंने इस तरह की बातों का सिरे से खंडन किया।

न कोई शिकायत देने की बात कही। इसी तरह परिवार ने भी रिंकू से बात करके सीओ द्वितीय को यही जानकारी दी। न किसी तरह की सुरक्षा की जरूरत बताई। न सुरक्षा मांगी। इसके बाद भी एहतियातन रिंकू सिंह के आवास पर महुआ खेड़ा थाने से पुलिसकर्मी लगा दिए गए हैं। परिवार ने मीडिया से भी इन खबरों का खंडन कर दिया।

पप्पू यादव के नोटों से बढ़ा चुनावी तापमान

बाढ़ पीड़ितों में बांटा पैसा, कैमरे में कैद हुई घटना

वैशाली,एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही आचार संहिता लागू हो चुकी है, लेकिन इसी बीच पूर्णिया सांसद पप्पू यादव वैशाली जिले के गनियारी गांव पहुंचे जहां उन्होंने बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की और 2000 से 3000 रुपये तक की नकद सहायता बांटी। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर चुनाव आयोग ने आधिकारिक घोषणा कर दी है। पहले चरण में 6 अक्टूबर को मतदान होना है। इसी चरण में वैशाली जिले की आठ विधानसभा सीटों पर भी 6 अक्टूबर को वोटिंग होगी। चुनावी प्रक्रिया की शुरुआत के तहत शुक्रवार से नामांकन दाखिल होना शुरू हो जाएगा। इसी बीच चुनावी माहौल के बीच पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव शुक्रवार को बाढ़ पीड़ितों से मिलने वैशाली जिले के सहदेई प्रखंड के गनियारी गांव पहुंचे। यहां उन्होंने गंगा नदी के तेज कटाव से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत की। वहीं, वैशाली में अचार संहिता का उल्लंघन करने को लेकर पप्पू यादव पर थ्त दर्ज हो गई है। मौके पर पप्पू यादव ने स्थानीय पदाधिकारियों को फोन भी लगाया और कटाव पीड़ितों की समस्याओं के समाधान का आग्रह किया। ग्रामीणों ने सांसद के सामने अपनी परेशानियां रखीं, जिस पर पप्पू यादव ने हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इसी दौरान पप्पू यादव लोगों को आर्थिक सहायता के तौर पर 2000 से 3000 रुपये तक नकद राशि देते नजर आए, जिसकी तस्वीरें और वीडियो कैमरे में साफ तौर पर कैद हुई हैं। लिस्ट से नाम पढ़कर एक–एक कर लोगों को रुपये दिए जा रहे थे।

इस मौके पर सांसद पप्पू यादव ने क्षेत्रीय सांसद चिराग पासवान और केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि "यहां बड़े–बड़े नेता हैं जो टिकट के चक्कर में व्यस्त हैं, लेकिन कटाव पीड़ित परिवारों से मिलने का किसी को समय नहीं है।" पप्पू यादव ने आगे बताया कि उन्होंने वैशाली जिलाधिकारी को फोन किया, लेकिन डीएम ने फोन रिसीव नहीं किया। अब इस पूरे मामले पर सवाल उठ रहे हैं कि आचार संहिता लागू होने के बाद खुलेआम पैसा बांटना क्या चुनाव आयोग के नियमों का उल्लंघन नहीं है? फिलहाल इस पर प्रशासन या चुनाव आयोग की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

दुखद: पंजाबी गायक राजवीर जवंदा का निधन

बाइक हादसे में हुए थे गंभीर घायल, मोहाली में ॥ दिन से चल रहा था इलाज

चण्डीगढ़–पंजाब। पंजाबी गायक और अभिनेता राजवीर जवंदा 27 सितंबर को एक भीषण सड़क हादसे में घायल हो गए थे। 11 दिन से वे मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में वेंटिलेटर पर थे। बाइक एक्सीडेंट में घायल जवंदा मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में एडवांस लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर थे। 27 सितंबर को पंजाबी सिंगर जवंदा का पंचकूला के पिंजौर में बीएमडब्ल्यू बाइक से एक्सीडेंट हुआ था।

पिंजौर–नालागढ़ रोड पर सेक्टर–30 टी पॉइंट के पास बाइक से आ रहे पंजाबी सिंगर राजवीर जवंदा सांडों की लड़ाई की वजह से हादसे का शिकार हो गए थे। सिंगर बद्दी से पिंजौर आ रहे थे। अचानक सांड आगे आने पर उनकी बाइक अनियंत्रित हुई और हाईवे पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में राजवीर जवंदा को सिर और रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोटें आई थीं। एक्सीडेंट के बाद से ही राजवीर लाइफ सपोर्ट पर थे।

गांव की सरपंच रह चुकी हैं मां

राजवीर जवंदा के लुधियाना स्थित पैतृक गांव पौना और आसपास के इलाकों में दुआओं का दौर जारी था। गांव के लोग गुरुद्वारा साहिब में अखंड पाठ और अरदास कर उनकी सलामती की अरदास कर रहे थे। राजवीर जवंदा की मां परमजीत कौर गांव की सरपंच रह चुकी हैं। बचपन में ही दूरदर्शन की शूटिंग के दौरान उनकी गायकी की तारीफ हुई और वहीं से उनका संगीत के प्रति झुकाव शुरू हुआ। जगरांव से पढ़ाई पूरी कर उन्होंने पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला से थिएटर एवं टेलीविजन में एमए किया।

2014 में निकाली थी पहली एलबम

2014 में मुंडा लाइक मी एल्बम से राजवीर ने अपने कैरियर की शुरुआत की और 2016 में कली जवंदे दी से उन्हें पहचान मिली। 2017 में मुकाबला और कंगणी जैसे गाने हिट हुए। इसके बाद पटियाला शाही पग, केसरी झंडे, लैंडलॉर्ड, सरनेम समेत कई सुपरहिट गाने दिए। 2018 में पंजाबी फिल्म सूबेदार जोगिंदर सिंह से उन्होंने एक्टिंग डेब्यू किया और काका जी, जिंद जान, मिंदो तहसीलदारनी, सिकंदर 2 जैसी फिल्मों में अभिनय किया।

आमना शरीफ के दिलकश अंदाज पर फैंस ने लुटाया प्यार

कानूनी मुश्किल में फंसे मलायलम सुपरस्टार ममूटी फिल्म प्रोडक्शन कंपनी पर पड़ी ईडी की रेड

लग्जरी गाड़ियों की तस्करी से जुड़ा है मामला

दिल्ली,एजेंसी। मलयालम सुपरस्टार और एक्टर दुलकर सलमान के पिता ममूटी कथित तौर पर कानूनी मुश्किल में फंस गए हैं. दरअसल लेटेस्ट मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज (8 अक्टूबर) चेन्नई के ग्रीनवेज़ रोड स्थित उनकी एक प्रॉपर्टी पर छापा मारा है. बताया जा रहा है कि इस संपत्ति में अभिनेता की प्रोडक्शन कंपनी स्थित है. हालांकि ममूटी, दुलकर सलमान और वेफेयर फिल्म्स से जुड़ी टीम ने अभी तक इस छापेमारी पर कोई रिएक्शन नहीं दिया है.

ममूटी की प्रॉपर्टी पर ईडी की रेड

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक आठ ईडी अधिकारियों ने सीआरपीएफ कर्मियों के साथ मिलकर ममूटी की प्रॉपर्टी में स्थित वेफेयर फिल्म्स पर रेड डाली. यह तब हुआ जब ईडी के कोच्चि जोनल ऑफिस ने महंगी लग्जरी गाड़ियों की तस्करी और अनऑथराइज्ड फॉरेन एक्सचेंज डीलिंग की चल रही जांच के सिलसिले में केरल और तमिलनाडु में 17 स्थानों पर छापे मारे थे.

इसमें पृथ्वीराज, दुलकर सलमान और अमित चकलाकल जैसे फिल्मी स्टार्स के रेजिडेंस और इस्टैब्लिशमेंट भी शामिल हैं. कुछ वाहन मालिक, ऑटो वर्कशॉप और एर्नाकुलम, त्रिशूर, कोझीकोड, मलप्पुरम, कोट्टायम और कोयंबटूर के व्यापारी भी इसमें शामिल थे.

क्या है मामला

शुरुआती जांच से पता चला है कि कोयंबटूर स्थित एक नेटवर्क ने कथित तौर पर फेक डॉक्यूमेंट्स का इस्तेमाल करके भारतीय सेना, अमेरिकी दूतावास और विदेश मंत्रालय से संबंध होने का दावा करके अरुणाचल प्रदेश और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में वाहनों के फर्जी रजिस्ट्रेशन हासिल किए. फिर इन लग्ज़री गाड़ियों को फिल्मी हस्तियों समेत अमीर लोगों को काफ़ी कम दामों पर बेच दिया गया.

'पैट्रियट' की शूटिंग जारी

इस बीच, ममूटी ने महेश नारायणन द्वारा निर्देशित अपनी अपकमिंग पॉलिटिकल स्पाई थ्रिलर, 'पैट्रियट' का हैदराबाद शेड्यूल आखिरी दिन पूरा कर लिया है. सिनेमा एक्सप्रेस के अनुसार, शूटिंग का अगला फेज 15 अक्टूबर से यूनाइटेड किंगडम में होने वाला है. हैदराबाद शेड्यूल के बाद, ममूटी कथित तौर पर चेन्नई गए थे।

बीते दिन घर में नॉमिनेशन टास्क खेला गया, जहां डायन फरहाना और मालती ने मिलकर जीशान कादरी, अशनूर कौर, बसीर अली, प्रणित मोरे, नीलम गिरी और मृदुल की टीम को खाकर नॉमिनेट कर दिया।

6 नामिनेटेड कंटेस्टेंट में से इसे बाहर निकालेंगे दर्शक

बिग बॉस 19 में 7वें वीक में नॉमिनेशन टास्क में बिग बॉस एक बहुत बड़ा ट्विस्ट लेकर आए जिसमें एक टीम के 6 सदस्य घर से बेघर होने के लिए नॉमिनेट हो गए। इनमें से वोटिंग लिस्ट में फिलहाल कौन सा कंटेस्टेंट सबसे पीछे हैं और जो कम वोट्स के साथ इस वीकेंड के वार घर जा सकता है चलिए बताते हैं।

एंटरटेनमेंट डेस्क। बिग बॉस सीजन 19 को टीवी पर ऑनएयर होते हुए 1 महीने से ज्यादा हो चुके हैं और अभी भी कुछ कंटेस्टेंट के चेहरों से मुखौटे उतरना बाकी है। एक तरफ जहां कुछ कंटेस्टेंट्स ने घर में जोश से एंट्री ली, लेकिन अब वह फुसकी बम बन गए हैं, तो वहीं फरहाना भट्ट से लेकर नेहल चुडास्मा और मालती चाहर मिलकर सभी की बैंड बजा रहे हैं। बीते दिन घर में नॉमिनेशन टास्क खेला गया, जहां डायन फरहाना और मालती ने मिलकर जीशान कादरी, अशनूर कौर, बसीर अली, प्रणित मोरे, नीलम गिरी और मृदुल की टीम को खाकर नॉमिनेट कर दिया। अब इन 6 खतरे में आए कंटेस्टेंट में से किसके इस हफ्ते के घर जाने के सबसे ज्यादा चांस हैं, इसका पता भी वोटिंग के आधार पर लग गया है।

बिग बॉस 19 के 7वें हफ्ते में घर जाएगा ये कंटेस्टेंट?

हर हफ्ते जब भी कंटेस्टेंट बिग बॉस हाउस से बेघर होने के लिए नॉमिनेट होते हैं, तो जियो हॉटस्टार स्टार पर वोटिंग पोल खोल दिया जाता है। इस हफ्ते नॉमिनेटेड कंटेस्टेंट में से जिसके गेम को अभी भी ऑडियंस सबसे ज्यादा देखना चाहती है, वह बसीर अली हैं, क्योंकि उन्हें इस हफ्ते खतरे से बचाने के लिए 31.3 वोट्स मिले हैं। उनके अलावा धीरे–धीरे ही सही स्टैंडअप कॉमेडियन प्रणित मोरे भी घर में खुलने लगे हैं और अपना गेम दिखा रहे हैं, जो दर्शकों को बेहद पसंद आ रहा है। इस हफ्ते बसीर के बाद उन्हें ही सबसे ज्यादा 24 वोट्स मिले हैं। इन दोनों के अलावा मृदुल को 14.63 और अश्नूर को 13.23 वोट्स मिले हैं, जिससे उनके बचने के चांस भी काफी ज्यादा हैं।

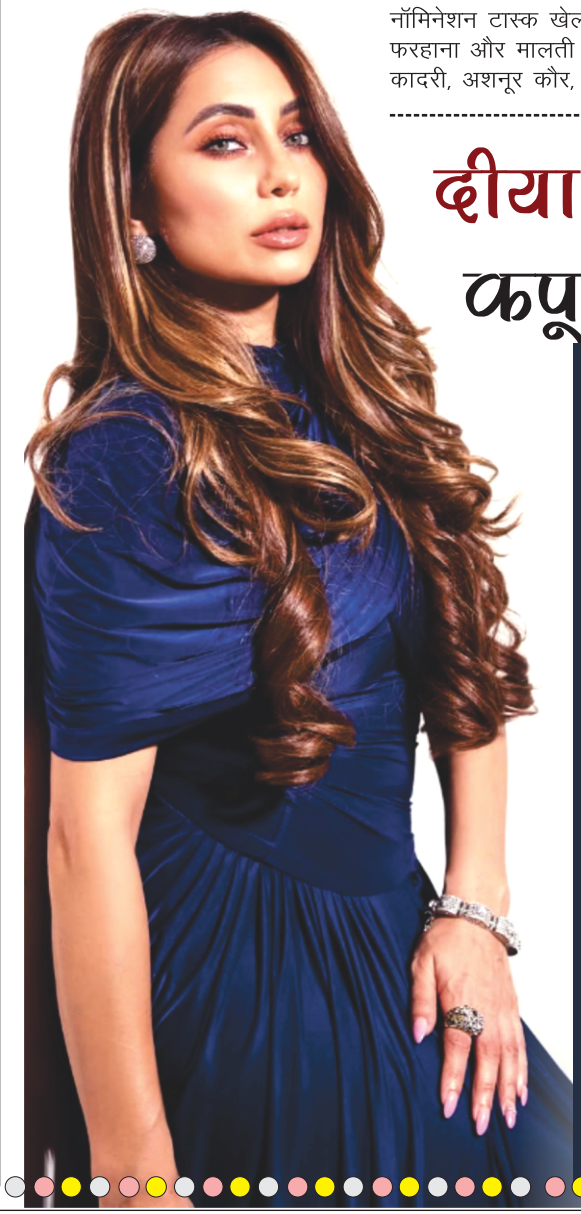

दीया और बाती हम, एक्टर एलन कपूर-रविरा ने लिए सात फेरे

एंटरटेनमेंट डेस्क। 'दीया और बाती हम' फेम टीवी अभिनेता एलन कपूर ने अपनी प्रेमिका रविरा भारद्वाज से शादी कर ली है। जिसकी शानदार तस्वीरें एलन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की हैं। टीवी सीरियल 'दीया और बाती हम' से मशहूर हुए अभिनेता एलन कपूर ने अपनी गर्लफ्रेंड रविरा भारद्वाज से शादी कर ली है। दोनों ने 7 अक्तूबर को शादी की है। एलन ने अपनी शादी की शानदार तस्वीरें सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कर अपने फैंस को खुश कर दिया है।

एलन का पोस्ट

एलन ने 7 अक्तूबर को इंस्टाग्राम पर अपनी शादी की दो तस्वीरें साझा कीं। पहली तस्वीर में दोनों साथ में पोज देते दिख रहे हैं। वहीं दूसरी में समुद्र किनारे शादी की रस्में निभाते नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों में एलन हाथीदांत रंग की शेरवानी पहने नजर आ रहे हैं, जबकि रविरा लाल दुल्हन के लहंगे में खूबसूरत लग रही हैं। इस पोस्ट के साथ एलन ने कैप्शन में लिखा, 'कुछ चीजें 07.10.2025 के लिए होती हैं।'

कब हुई एलन और रविरा की पहली मुलाकात

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एलन और रविरा की मुलाकात कुछ साल पहले दोस्तों के जरिए हुई थी। तभी से दोनों का रिश्ता मजबूत रहा है। एलन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर भी शादी की कई तस्वीरें साझा कीं।

एलन और रविरा के बारे में

'दीया और बाती हम' टीवी सीरियल राजस्थान के पुष्कर की पृष्ठभूमि पर आधारित एक प्रेरणादायक कहानी है। जो संध्या राठी के आईपीएस अधिकारी बनने के सपने को दर्शाती है। इस शो में अनस राशिद और दीपिका सिंह मुख्य भूमिकाओं में हैं। एलन ने इसमें आईपीएस राहुल कपूर का किरदार निभाया था, जो संध्या का दोस्त और रोमा का पूर्व प्रेमी था। वहीं रविरा को 'ऐसा क्यू', 'लिसन 2 दिल' और 'ब्रेकअप की पार्टी' जैसे शो में उनके अभिनय के लिए जाना जाता है। 'ऐसा क्यू' में एक मुख्यमंत्री की रहस्यमय हत्या की कहानी दिखाई गई है, जिसमें कई संदिग्ध शामिल हैं।

गिल की 'गलती' से दोहरे शतक से चूके यशस्वी, तालमेल में कमी का हुए शिकार

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत को वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन पहले सत्र में यशस्वी के रूप में तीसरा झटका लगा। वह 258 गेंदों पर 22 चौकों की मदद से 175 रन बनाकर आउट हुए। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल अच्छी फॉर्म में थे और वेस्टइंडीज के खिलाफ दोहरा शतक लगाने के करीब थे। हालांकि, शुभमन गिल के साथ तालमेल में कमी के कारण वह रन आउट हो गए और दोहरा शतक लगाने से चूक गए। भारत को वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन पहले सत्र में यशस्वी के रूप में तीसरा झटका लगा।

क्रीज से निकलकर पीछे हटे गिल

यशस्वी ने दूसरे टेस्ट के पहले दिन शतक लगाया था और वह स्टंप्स तक 173 रन बनाकर नाबाद रहे थे। उन्होंने दूसरे दिन पारी आगे बढ़ाई और वह दोहरा शतक लगाने के करीब पहुंच गए थे। जेडन सील्स की गेंद पर यशस्वी ने शॉट खेला और गिल को दौड़ने का इशारा किया, यशस्वी आधी क्रीज पार कर चुके थे, लेकिन तभी गिल वापस लौट गए और इस तरह यशस्वी अपना विकेट गंवा बैठे। यशस्वी शानदार फॉर्म में नजर आ रहे थे, लेकिन रन आउट होकर पवेलियन लौट गए। यशस्वी आउट होने के बाद निराश और नाराज नजर आए। वह 258 गेंदों पर 22 चौकों की मदद से 175 रन बनाकर आउट हुए।

ड्रेसिंग रूम में चुपचाप बैठे दिखे यशस्वी

भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे दिन दो विकेट पर 318 रन से पारी आगे बढ़ाई, लेकिन टीम ने जल्द ही यशस्वी का विकेट गंवा दिया। रन लेने का कॉल यशस्वी का था और वह आगे भी बढ़ गए थे, लेकिन गिल की एक 'गलती' के कारण वह दोहरा शतक लगाने से चूक गए। यशस्वी इस तरह आउट होने से काफी निराश दिखे और कुछ देर तक उन्होंने गिल के सामने अपना गुस्सा भी दिखाया। अंत में वह निराश होकर पवेलियन लौट गए और ड्रेसिंग रूम में भी वह चुपचाप बैठे नजर आए।

यशस्वी ने विजय हजारे को पीछे छोड़ा

यशस्वी भले ही दोहरा शतक लगाने से चूक गए हों, लेकिन उन्होंने विजय हजारे को पीछे छोड़ दिया है। रन आउट होकर सर्वोच्च निजी स्कोर बनाने के मामले में यशस्वी भारत के चौथे बल्लेबाज बन गए हैं। विजय हजारे 1951 में इंग्लैंड के खिलाफ 155 रन बनाकर रन आउट हुए थे। इस सूची में शीर्ष पर संजय मांजरेकर हैं जिन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 1989 में 218 रन बनाए, लेकिन रन आउट होकर पवेलियन लौटे।

देविशा ने पति सूर्यकुमार यादव के लिए रखा व्रत रैना की पत्नी प्रियंका ने की अखंड सुहाग की कामना

स्पोर्ट्स डेस्क। देश भर में करवा चौथ की धूम है। खेल जगत के तमाम दिग्गज इस त्योहार को बड़े उत्साह के साथ मना रहे हैं। देशभर में आज हर्ष और उल्लास के साथ करवा चौथ का पर्व मनाया जा रहा है। आम आदमी से लेकर खेल जगत तक सभी सितारे इस महापर्व के जश्न में डूबे हुए हैं। इस खास दिन को सेलिब्रेट करते हुए खिलाड़ियों की पत्नियों सोशल मीडिया पर तमाम तस्वीरें और वीडियो साझा कर रही हैं। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव की पत्नी देविशा शेट्टी और पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना की पत्नी प्रियंका रैना ने अखंड सुहाग की कामना की।

युवा प्रशंसक के लिए रोहित ने सुरक्षाकर्मी को लगाई फकार फैंस से की मुलाकात

रोहित फैंस को रोकने पर भड़क गए और उन्होंने सुरक्षाकर्मी से उस प्रशंसक को उनसे मिलने देने के लिए कहा। रोहित का यह व्यवहार प्रशंसकों को काफी पसंद आया।

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया दौरे की तैयारियों में जुट गए हैं। रोहित ने मुंबई के शिवाजी पार्क में अभिषेक नायर के साथ करीब दो घंटे तक ट्रेनिंग की। रोहित का प्रशंसकों के प्रति व्यवहार हमेशा ही नरम रहा है और एक बार फिर ऐसा ही देखा गया है। दरअसल, रोहित को ट्रेनिंग करते देखने के लिए काफी भीड़ इकट्ठी हो गई थी और इस दौरान एक युवा प्रशंसक रोहित से मिलने के लिए भागा, लेकिन सुरक्षाकर्मी ने उसे रोक दिया।

सोशडया पर वायरल हुआ वीडियो

रोहित ने जब ये देखा तो उन्होंने सुरक्षाकर्मी को फटकार लगाई और उस युवा फैंस से मुलाकात की। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें रोहित फैंस को रोकने पर भड़क गए और उन्होंने सुरक्षाकर्मी से उस प्रशंसक को उनसे मिलने देने के लिए कहा। रोहित का यह व्यवहार प्रशंसकों को काफी पसंद आया और सभी ने उनका अभिवादन किया।

रोहित की जगह हाल ही में शुभमन गिल को वनडे टीम की कमान सौंपी गई थी जो 19 अक्तूबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में जिम्मेदारी निभाएंगे। रोहित इस सीरीज में पूर्णकालिक बल्लेबाज के तौर पर खेलेंगे। रोहित टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके हैं और सिर्फ वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। रोहित इस सीरीज से मैदान पर वापसी करेंगे। ऑल हार्ट क्रिकेट अकादमी में इस अभ्यास सत्र के दौरान मुंबई के क्रिकेटर अंगकृष रघुवंशी और कुछ अन्य स्थानीय खिलाड़ी मौजूद थे।

रोहित ने चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में खेला था आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच

38 साल के रोहित ने इस साल न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत के लिए अपना पिछला मैच खेला था। भारत ने उनकी कप्तानी में 2024 में अमेरिका और वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप जीत के बाद चैंपियंस ट्रॉफी के रूप में लगातार दूसरा आईसीसी खिताब जीता था। रोहित के भविष्य पर लगातार सवाल उठ रहे हैं लेकिन उन्हें पुराने साथी विराट कोहली के साथ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है।

विजय हजारे और गावस्कर की एलीट सूची में शामिल हुए गिल

घरेलू मैदान पर ऐसा करने वाले तीसरे कप्तान

स्पोर्ट्स डेस्क। गिल को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान रोहित शर्मा की जगह टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई थी और भारतीय जमीन पर पहली बार वह लाल गेंद के प्रारूप में टीम की कप्तानी कर रहे हैं। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में अर्धशतक लगा दिया है। गिल इसके साथ ही विजय हजारे और सुनील गावस्कर की विशेष एलीट सूची में शामिल हो गए हैं। गिल भारत के तीसरे कप्तान हैं जिन्होंने घरेलू मैदान पर कप्तान रहते अपने पहली दो पारियों में 50+ स्कोर बनाया है। मालूम हो कि गिल को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान रोहित शर्मा की जगह टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई थी और भारतीय जमीन पर पहली बार वह लाल गेंद के प्रारूप में टीम की कप्तानी कर रहे हैं।

अहमदाबाद के बाद दिल्ली में भी चला गिल का बल्ला

गिल कप्तान बनने के बाद से अच्छी फॉर्म में चल रहे हैं। गिल ने इंग्लैंड दौरे पर काफी प्रभावित किया था और उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ भी ये फॉर्म बरकरार रखी है। गिल ने अहमदाबाद टेस्ट में पहली पारी में 50 रन बनाए थे और अब दिल्ली टेस्ट में भी वह 50+ रनों की पारी खेल चुके हैं। यानी लगातार दूसरी पारी में उन्होंने 50+ स्कोर बनाया है। कप्तान रहते घरेलू मैदान पर अपनी पहली दो पारियों में 50+ स्कोर बनाने के मामले में वह तीसरे भारतीय हैं। उनसे पहले विजय हजारे और सुनील गावस्कर यह उपलब्धि अपने नाम हासिल कर चुके हैं। विजय हजारे ने इंग्लैंड के खिलाफ 1951 में 164' और 155 रन बनाए थे, जबकि कप्तान रहते गावस्कर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 205 और 73 रन की पारियां खेली थी।

दी नेक्स्ट पोस्ट
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003
UPHIN/2023/90814
बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com
नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।